प्रतिदर्श प्रश्नपत्र, 2022-23

विषय-हिंदी, कोर्स-ए (कोड-002)

Sample Paper - 2

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :

(1) इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं- खंड 'क' और ख'। खंड-क में वस्तुपरक/बहविकल्पी और खंड-ख में वस्तुनिष्ठ/वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।

(2) प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 17 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(3) यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।

(4) खंड 'क' में कुल 10 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 49 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(5) खंड 'ख' में कुल 7 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड - अ (बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

जो लोग अपनी असफलताओं के लिए या जीवन में गतिरोध के लिए बाहरी हालातों को जिम्मेदार ठहराते हैं, वे लोग या तो गलती हैं या हालात से डरते हैं। वे या तो जीवन को समझ नहीं पाए या उलझनों में फँसे हुए हैं। वे या तो आलसी हैं या अकर्मण्य हैं। एक कारण और भी हो सकता है कि उनकी नीयत और नीति में मेल न हो। यह अति आवश्यक है कि नीयत और नीति दोनों एक सूत्र में पिरोई हुई हों अर्थात् मेल खाती हों। ऐसा कदापि संभव नहीं है और नीयत मानसिक इच्छा है, जो खोटी भी हो सकती है और खरी भी। खोटी नीयत वाला व्यक्ति कदापि इस संसार में नहीं टिक सकता और यदि टिकेगा, तो बहुत कम समय के लिए, केवल तब तक, जब तक उसकी नीयत खुलकर सामने नहीं आती, क्योंकि नीति की जननी नीयत है और जब जननी में ही दोष है, तो संतान में कोई-न-कोई विकृति अवश्य आ जाएंगी।

हालातों को असफलता के लिए जिम्मेदार ठहराना ठीक नहीं लगता, क्योंकि हालात तो उनके साथ भी वही होते हैं या लगभग वही होते हैं, जो सफलता प्राप्त करते हैं। यदि कोई व्यक्ति अपनी असफलताओं की जिम्मेदारी खुद नहीं ले सकता, तो वह अपनी सफलता की जिम्मेदारी लेने के काबिल नहीं है। जीवन का असली आनंद तो तभी है, जब परिस्थितियाँ विषम हों।

(i) किस तरह के लोगों की नीयत और नीति में मेल नहीं रहता है?

i. अकर्मण्य व आलसी लोग

ii. हालात को जिम्मेदार ठहराने वाले लोग

iii. जीवन को न समझने वाले लोग

iv. जीवन को खुलकर जीने वाले लोग

क) कथन ii सही है

ख) कथन i, ii व iv सही हैं

ग) कथन i, व iii सही हैं

घ) कथन i, ii, व iii सही हैं

(ii) खोटी नीयत वाला व्यक्ति इस संसार में क्यों नहीं टिक पाता?

क) अवगुणों के कारण
ख) गलत नीयत या नीति के कारण
ग) समय अभाव के कारण
घ) अदारता के कारण

(iii) असफलता के लिए किसे जिम्मेदार ठहराना ठीक नहीं माना गया है?

क) काबिल व्यक्ति को
ख) हालातों को
ग) ईश्वर को
घ) प्रकृति को

(iv) लेखक ने नीति की जननी किसे कहा है?

क) व्यवहार को
ख) नीयत को
ग) समय को
घ) सोच को

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए-
कथन (A): जीवन का असली आनंद विषम परिस्थितियों में ही मिलता है।
कारण (R): जो व्यक्ति विषम परिस्थितियों में हार न मानकर उसका सामना करता है, वह निश्चित रूप से सफलता को प्राप्त करता है।

क) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
ख) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।
ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

2. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) **लोकप्रिय कवि का सम्मान सभी करते हैं** मिश्र वाक्य में बदलिए-

क) लोकप्रियता के लिए सबको उत्सुक रहना चाहिए।
ख) कवि के अंदर कल्पना की उड़ान होती है।
ग) कवि लोकप्रिय होता है और सम्मान प्राप्त करता है।
घ) जो कवि लोकप्रिय होता है उसका सम्मान सभी करते हैं।

(ii) **हम लोग तैरने के लिए नदी पर गए थे।** रचना के आधार पर वाक्य है-

क) सरल वाक्य
ख) संयुक्त वाक्य
ग) प्रश्नवाक्य
घ) मिश्र वाक्य

(iii) उपवाक्य कितने प्रकार के होते हैं?

क) दो | ख) तीन
ग) पाँच | घ) चार

(iv) जिस वाक्य में एक उद्देश्य और एक विधेय होता है वहाँ कौन-सा वाक्य होता है?

क) समूह वाक्य | ख) सरल वाक्य
ग) मिश्र वाक्य | घ) संयुक्त वाक्य

(v) **पानवाले के लिए यह मज़ेदार बात थी लेकिन हालदार साहब के लिए चकित कर देने वाली।** मिश्र वाक्य में बदलिए।

i. पानवाले के लिए वही मजेदार बात थी पर हालदार साहब के लिए चकित कर देने वाली।
ii. जो बात पानवाले के लिए मज़ेदार थी, वह हालदार साहब के लिए चकित कर देने वाली थी।
iii. पानवाले की बातें मज़ेदार थीं किन्तु हालदार साहब के लिए चकित कर देने वाली थीं।
iv. इनमें से कोई नहीं।

क) विकल्प (iv) | ख) विकल्प (i)
ग) विकल्प (iii) | घ) विकल्प (ii)

3. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) **पतोहू ने आग दी**, प्रस्तुत वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए

क) पतोहू आग देती है। | ख) पतोहू से आग दी जाती थी।
ग) पतोहू द्वारा आग दी गई। | घ) पतोहू द्वारा आग दी जाती है।

(ii) **हम इस खुले मैदान में दौड़ सकते हैं।** (प्रस्तुत वाक्य को भाववाच्य में परिवर्तित कीजिए।)

क) हमसे इस खुले मैदान में दौड़ा जा सकता है। | ख) हम दौड़ सकते हैं, इस खुले मैदान में।
ग) हमसे इस खुले मैदान में दौड़ा जाएगा। | घ) हम इस खुले मैदान में दौड़ सकेंगे।

(iii) मेरे मित्र से चला नहीं जाता - कर्तृवाच्य में बदलिए।

क) मेरा मित्र चल नहीं सकता। | ख) मेरा मित्र चल नहीं रहा था।
ग) मेरा मित्र चल सकता है। | घ) मेरा मित्र चल नहीं पा रहा।

(iv) **कल राजा याचक को दान देंगे** वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए-

क) राजा ने याचक को दान दिया | ख) राजा द्वारा याचक को दान दिया जाएगा

ग) कल राजा द्वारा याचक को दान दिया जाएगा | घ) राजा द्वारा सभी गायकों को दान दिया गया

(v) कर्तृवाच्य में क्रिया के लिंग तथा वचन किसके अनुसार निर्धारित होते हैं?

क) भाव के अनुसार | ख) कर्ता के अनुसार

ग) क्रिया के अनुसार | घ) कर्म के अनुसार

4. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) **<u>यह</u>** भाषा किस क्षेत्र में बोली जाती है? रेखांकित पद का परिचय है-

क) सर्वनाम, पुरुषवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, 'भाषा' विशेष्य। | ख) विशेषण, सार्वनामिक, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'भाषा' विशेष्य।

ग) विशेषण, सार्वनामिक, एकवचन, पुल्लिंग, 'भाषा' विशेष्य। | घ) सर्वनाम, संकेतवाचक, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'भाषा' विशेष्य।

(ii) उपवन में सुंदर फूल <u>खिले</u> हैं - रेखांकित पद के लिए उचित परिचय होगा -

क) सकर्मक क्रिया | ख) द्विकर्मक क्रिया

ग) नामधातु क्रिया | घ) अकर्मक क्रिया

(iii) राधा <u>मधुर</u> गीत गाती है। रेखांकित पद का उचित पद परिचय होगा -

क) क्रिया | ख) विशेषण

ग) संज्ञा | घ) काल

(iv) यह पुस्तक उसे **<u>मत</u>** दो रेखांकित पद का परिचय है-

क) निपात, निषेधात्मक | ख) निपात, तुलनाबोधक

ग) निपात, नकारात्मक | घ) निपात, प्रश्नबोधक

(v) सुरेश यदि **<u>मैं</u>** बीमार हो जाऊँ तो घर की व्यवस्था रुक जाएगी। रेखांकित पद का परिचय है:-

क) सर्वनाम, पुरुषवाचक, मध्यमपुरुष, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, एकवचन, 'हो जाऊँ' क्रिया का कर्ता। | ख) सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्य पुरुष, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, बहुवचन।

ग) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तमपुरुष, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, बहुवचन, 'रुक जाएगी' क्रिया का कर्ता।

घ) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तमपुरुष, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, एकवचन, 'हो जाऊँ' क्रिया का कर्ता।

5. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) **लो यह लतिका भी भर लाई, मधु मुकुल नवल रस गागरी।**
इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

क) रूपक अलंकार

ख) मानवीकरण अलंकार

ग) अनुप्रास अलंकार

घ) उपमा अलंकार

(ii) निम्नलिखित पंक्तियों में निहित अलंकार कौन-सा है?
उस वक़्त मारे क्रोध के तन काँपने लगा
मानो सोता हुआ शेर जाग उठा

क) उपमा

ख) उत्प्रेक्षा

ग) रूपक

घ) अतिशयोक्ति

(iii) निम्नलिखित पंक्ति में अलंकार बताइए-
कढ़त साथ ही म्यान तें, असि रिपु तन ते प्रान।

क) अतिश्योक्ति अलंकार

ख) उपमा अलंकार

ग) यमक अलंकार

घ) रूपक अलंकार

(iv) जहाँ एक वस्तु में दूसरी की संभावना या कल्पना हो, वहाँ कौन-सा अलंकार होता हैं ?

क) उत्प्रेक्षा

ख) अतिशयोक्ति

ग) उपमा

घ) रूपक

(v) कोई विशिष्ट शब्द जब एक से अधिक अर्थ व्यक्त करे, तो वहां कौन-सा अलंकार होता है ?

क) श्लेष

ख) उपमा

ग) अनुप्रास

घ) यमक

6. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

बालगोबिन भगत की संगीत-साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखा गया, जिस दिन उनका बेटा मरा। इकलौता बेटा था वह! कुछ सुस्त और बोदा-सा था, किंतु इसी कारण बालगोबिन भगत उसे और भी मानते। उनकी समझ में ऐसे आदमियों पर ही ज़्यादा नज़र रखनी चाहिए या प्यार करना चाहिए, क्योंकि ये निगरानी और मुहब्बत के ज़्यादा हकदार होते हैं। बड़ी साध से उसकी शादी कराई थी, पतोहू बड़ी ही सुभग और सुशील

मिली थी। घर की पूरी प्रबंधिका बनकर भगत को बहुत कुछ दुनियादारी से निवृत्त कर दिया था उसने। उनका बेटा बीमार है, इसकी ख़बर रखने की लोगों को कहाँ फ़ुरसत! किंतु मौत तो अपनी ओर सबका ध्यान खींचकर ही रहती है।
बेटे के क्रियाकर्म में तूल नहीं किया; पतोहू से ही आग दिलाई उसकी। किंतु ज्यों ही श्राद्ध की अवधि पूरी हो गई, पतोहू के भाई को बुलाकर उसके साथ कर दिया, यह आदेश देते हुए कि इसकी दूसरी शादी कर देना। इधर पतोहू रो-रोकर कहती-मैं चली जाऊँगी तो बुढ़ापे में कौन आपके लिए भोजन बनाएगा, बीमार पड़े, तो कौन एक चुल्लू पानी भी देगा? मैं पैर पड़ती हूँ, मुझे अपने चरणों से अलग नहीं कीजिए।

(i) बालगोबिन भगत की संगीत-साधना का उत्कर्ष किस दिन देखा गया?

क) जिस दिन उनका पुत्र बीमार था
ख) जिस दिन उनके पुत्र की मृत्यु हो गई थी
ग) जिस दिन पतोहू का विवाह था
घ) जिस दिन उन्हें पुरस्कार मिला

(ii) बालगोबिन भगत द्वारा अपने बेटे से अधिक प्यार करने का क्या कारण था?

क) इनमें से कोई नहीं
ख) उनका बेटा सुस्त और कम बुद्धि वाला था
ग) बेटा बहुत चालाक था
घ) बेटा बहुत अहंकारी था

(iii) गद्यांश के आधार पर बताइए कि बालगोबिन भगत की पतोहू कुशल प्रबंधिका कैसे थी?

क) सुस्त व आलसी प्रवृत्ति की थी
ख) वह केवल अपना कार्य करती थी
ग) वह सभी कार्यों में निपुण थी
घ) वह दुनियादारी से काफी हद तक निवृत्त थी

(iv) श्राद्ध की अवधि पूरी होने पर बालगोबिन भगत ने पतोहू के साथ कैसा व्यवहार किया?

क) अपनी सेवा करने को कहा
ख) इनमें से कोई नहीं
ग) दूसरा विवाह करने का आदेश दिया
घ) घर से जाने को कहा

(v) बालगोबिन भगत की पतोहू ने भाई के साथ उनके घर से न जाने के लिए क्या प्रार्थना की थी?

क) इनमें से कोई नहीं
ख) वहाँ से चले जाने की
ग) दूसरा विवाह कराने की
घ) उनके साथ रहकर उनकी सेवा करने की

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

जैसे नदी में
सिर्फ पानी नहीं बहता
फूल-पत्ते, लकड़ी, नावें,
दीप और मुर्दे तक बहते हैं;
इसी तरह मन में
सिर्फ़ विचार नहीं रहते
सुगंध और प्रकाश
विश्वास और उदासी
सब रहते हैं एक साथ
वहाँ बहाव का आधार पानी है
यहाँ प्राण और वाणी है।
पानी कहीं थम न जाए
धारा सूखने न पाए
वाणी चूकने न पाए
तो सब ठिकाने लग जाते हैं फूल-पत्ते, लकड़ी
नावें, दीप और शरीर
सुगंध और प्रकाश
विश्वास और इच्छाएँ अधीर।
-- अज्ञेय

(i) मन में एक साथ रहने वाली वस्तुएँ हैं -

i. विचारों के साथ - साथ सुगंध
ii. मन का विश्वास
iii. ज्ञान का प्रकाश
iv. अज्ञानता का अंधकार

क) कथन i, ii व iii सही हैं
ख) कथन ii व iii सही हैं
ग) कथन i, ii व iv सही हैं
घ) कथन i व ii सही हैं

(ii) मन के संदर्भ में **सुगंध और प्रकाश** से कवि का तात्पर्य है

क) बदहवासी से भरे विचार
ख) हँसी-मज़ाक से भरे भाव
ग) अच्छे एवं सकारात्मक विचार
घ) संघर्षशील विचार

(iii) मन के संदर्भ में **ठिकाने लग जाना** का तात्पर्य है

क) मन के विच्चार ठिकाने लग जाने पर दूसरे कामों की याद आती है।
ख) मन के विचार सही हो जाने का परिणाम सुखकारी होता है।
ग) मन के विचार ठिकाने लग जाने पर मन परेशान हो उठता है।
घ) मन के विचार ठिकाने लग जाने पर अच्छी नींद आती है।

(iv) फूल - पत्ते में समास है -

क) बहुव्रीहि समास
ख) तत्पुरुष समास
ग) इनमें से कोई नहीं
घ) द्वंद्व समास

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए –
कथन (A): नदी की धारा रूकती नहीं है, वह अनवरत और अविरल रूप से बहती रहती है।
कथन (R): मानव मन में विचारों का प्रवाह अनवरत और अविरल बहता रहता है।

क) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
ख) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।
ग) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

अथवा

अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: **[5]**

तुम्हारी निश्चल आँखें
तारों-सी चमकती हैं मेरे अकेलेपन की रात के आकाश में
प्रेम पिता का दिखाई नहीं देता है
ज़रूर दिखाई देती होंगी नसीहतें
नुकीले पत्थरों-सी
दुनिया भर के पिताओं की लंबी कतार में
पता नहीं कौन-सी कितना करोड़वाँ नंबर है मेरा
पर बच्चों के फूलों वाले बगीचे की दुनिया में
तुम अव्वल हो पहली क़तार में मेरे लिए
मुझे माफ़ करना में अपनी मूर्खता और प्रेम में समझता था
मेरी छाया के तले ही सुरक्षित रंग-बिरंगी दुनिया होगी तुम्हारी
अब जब तुम सचमुच की दुनिया में निकल गई हो
मैं खुश हूँ सोचकर
कि मेरी भाषा के अहाते से परे है तुम्हारी परछाई।
-- चंद्रकांत देवताले

(i) निम्नलिखित में से कौनसा/कौनसे कथन सही हैं?
i. बच्चों को पिता का प्रेम दिखाई नहीं देता।
ii. पिता की नसीहतें बच्चों को पत्थर के समान नुकीली लगती हैं।
iii. बच्चे अपने पिता के प्रेम को समझते हैं।
iv. बच्चों की निश्चल आँखों में पिता के प्रति प्रेम दिखाई देता है।

क) कथन i, ii व iii सही हैं
ख) कथन i व ii सही हैं
ग) कथन ii, iii, व iv सही हैं
घ) कथन i व ii सही हैं

(ii) प्रायः बच्चों को पिता की सीख कैसी लगती है?

क) नुकीले पत्थरों जैसी
ख) नुकीले भालों जैसी
ग) नुकीले तारों जैसी
घ) इनमें से कोई नहीं

(iii) माता-पिता के लिए अपना बच्चा सर्वश्रेष्ठ क्यों होता है?

क) अकेला शिशु के कारण
ख) परछाई के कारण
ग) प्रेम और मोह के कारण
घ) स्नेह-भाव के कारण

(iv) कवि ने किस बात को अपनी मूर्खता माना है क्यों ?

i. बेटी पिता की छाया में ही सुरक्षित और खुश कभी नहीं होती है।
ii. पिता की छाया से बाहर भी लड़की आत्मनिर्भर और खुश है।
iii. पिता अपनी पुत्री से प्रेम नहीं करता है इसलिए वह खुश नहीं है।
iv. सभी विकल्प सही हैं।

क) विकल्प (iv)
ख) विकल्प (ii)
ग) विकल्प (i)
घ) विकल्प (iii)

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए –
कथन (A): पिता अपना प्रेम खुलकर प्रकट नहीं कर पाता है।
कथन (R): पिता को लगता है कि उसके प्रेम की छाया में बच्ची की सुरक्षित दुनिया है।

क) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
ख) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
ग) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।
घ) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

8. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- **[2]**

(i) **एक कहानी यह भी** पाठ के अनुसार लेखिका के पिता उसे किससे दूर रखना चाहते थे?

क) खेल-कूद से
ख) रसोई से
ग) आंदोलन से
घ) पढ़ाई से

(ii) **नौबतखाने में इबादत** पाठ के अनुसार काशी को आनंद-कानन क्यों कहा है?

क) वहाँ का गंगा तट बहुत रमणीक है।
ख) वहाँ बाग-बगीचे बहुत हैं।
ग) वह संगीत, साहित्य और
घ) वह एक सुंदर नगरी है।

संस्कृति की नगरी है।

9. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- **[2]**

(i) 'अट नहीं रही है' कविता की मुख्य विशेषता क्या है?

क) तत्सम शब्द   ख) नाद सौंदर्य

ग) अलंकार   घ) लयात्मकता

(ii) **आत्मकथ्य** काव्य में कवि ने भोर को कैसा माना है?

क) सुखद   ख) सभी विकल्प सही हैं

ग) सुहावना   घ) प्रेम और लाली से मुक्त

10. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

मन की मन ही माँझ रही।
कहिए जाइ कौन पै ऊधौ, नाहीं परत कही।
अवधि अधार आस आवन की तन मन बिथा सही।
अब इन जोग सँदेसनि सुनि-सुनि, बिरहिनि बिरह दही।
चाहति हुतीं गुहारि जितहिं तैं, उत तैं धार बही।
'सूरदास' अब धीर धरहिं क्यौं, मरजादा न लही।

(i) काव्यांश के आधार पर बताइए कि किनकी अभिलाषाएँ मन में ही रह गईं?

क) उद्धव की   ख) कवि की

ग) कृष्ण की   घ) गोपियों की

(ii) गोपियों ने अपने जीने का आधार किसे माना?

क) कृष्ण के आने की आशा   ख) मन की अभिलाषा

ग) कृष्ण का योग संदेश   घ) इनमें से कोई नहीं

(iii) गोपियों द्वारा विरह की ज्वाला में जलने का क्या कारण था?

क) कृष्ण का चले जाना   ख) कृष्ण के योग का संदेश

ग) उद्धव का संदेश   घ) इनमें से कोई नहीं

(iv) काव्यांश के आधार पर बताइए कि किसने सभी मर्यादाओं का त्याग कर दिया है?

क) सभी विकल्प सही हैं   ख) श्रीकृष्ण ने

ग) उद्धव ने   घ) गोपियों ने

(v) प्रस्तुत काव्यांश में सूरदास किसके माध्यम से अपनी बात कह रहे हैं?

क) इनमें से कोई नहीं	ख) कृष्ण के

ग) उद्धव के	घ) गोपियों के

खंड - ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- **[6]**

(i) भाव स्पष्ट कीजिए-
बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।।
पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारू। चहत उड़ावन फूँकि पहारू।।

(ii) गायक सरगम को लाँघकर कहाँ चला जाता है? वह वापस कैसे आता है?

(iii) भाव स्पष्ट कीजिए-
मिला कहाँ वह सुख जिसका मैं स्वप्न देखकर जाग गया।
आलिंगन में आते-आते मुसक्या कर जो भाग गया।

(iv) कवि ने शिशु की मुस्कान को दंतुरित मुस्कान क्यों कहा है? कवि के मन पर उस मुस्कान का क्या प्रभाव पड़ा?

12. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- **[6]**

(i) लेखक नवाब साहब के जबड़ों के स्फुरण को देखकर क्या अनुभव कर रहे थे? अपने सामने खीरों को देखकर मुँह में पानी आने पर भी उन्होंने खीरे खाने के लिये नवाब साहब के अनुरोध को स्वीकृत क्यों नहीं किया?

(ii) **संस्कृति पाठ के अनुसार** लेखक मानव-संस्कृति के माता-पिता किसे कहना चाहता है? उदाहरण सहित बताइए।

(iii) एक कहानी यह भी की लेखिका मन्नू भंडारी के पिता ने रसोई को **भटियार खाना** कहकर क्यों संबोधित किया है? यह उनकी किस सोच का परिचायक है?

(iv) **नेताजी का चश्मा** पाठ का संदेश क्या है? स्पष्ट कीजिए।

13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए- **[8]**

(i) **मैं क्यों लिखता हूँ?** प्रश्न के उत्तर में **अज्ञेय** के किसी एक तर्क का उल्लेख कीजिए।

(ii) **सेवन सिस्टर्स वाटर फॉल** को देख लेखिका ने अपनी भावनाओं को कैसे अभिव्यक्त किया है? **साना-साना हाथ जोड़ि...** पाठ के आधार पर लिखिए।

(iii) **माता का अँचल** पाठ के आधार पर बताइए कि तत्कालीन व वर्तमान समय में बच्चों की खेल-सामग्रियों में क्या परिवर्तन आए हैं? बच्चों के खेलों में हुए परिवर्तनों का उनके मूल्यों पर कितना प्रभाव पड़ा है?

14. अपने प्रधानाचार्य को कारण सहित सेक्शन बदलने का अनुरोध करते हुए पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

आपके मित्र को एम.बी.बी.एस. कोर्स में प्रवेश मिल गया है। उसे शुभकामना देते हुए बधाई-पत्र लिखिए।

15. सहायक अध्यापक पद के लिए स्ववृत्त लेखन लिखिए। **[5]**

अथवा

किसी कॉलेज में हिन्दी विषय में सहायक अध्यापक के रिक्त पद की जानकारी के लिए ईमेल लिखिए।

16. किसी शीतल पेय की बिक्री बढ़ाने वाला एक विज्ञापन तैयार कीजिए। (25-50 शब्दों में). **[4]**

अथवा

प्रधानाचार्य जी द्वारा कोविड-19 माहामारी के कारण विद्यालय बंद रहने हेतु 30-40 शब्दों में संदेश लिखिए।

17. **लड़कियों की शिक्षा** विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- समाज में लड़कियों का स्थान
- शिक्षा की अनिवार्यता और बाधाएँ
- सबका सहयोग

अथवा

वृक्षारोपण का महत्त्व विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- वृक्षारोपण का अर्थ
- वृक्षारोपण क्यों
- हमारा दायित्व

अथवा

जंक फूड विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- जंक फूड क्या होता है?
- युवा पीढ़ी और जंक फूड
- जंक फूड खाने के दुष्परिणाम

Solution

खंड - अ (बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
जो लोग अपनी असफलताओं के लिए या जीवन में गतिरोध के लिए बाहरी हालातों को जिम्मेदार ठहराते हैं, वे लोग या तो गलती हैं या हालात से डरते हैं। वे या तो जीवन को समझ नहीं पाए या उलझनों में फँसे हुए हैं। वे या तो आलसी हैं या अकर्मण्य हैं। एक कारण और भी हो सकता है कि उनकी नीयत और नीति में मेल न हो। यह अति आवश्यक है कि नीयत और नीति दोनों एक सूत्र में पिरोई हुई हों अर्थात् मेल खाती हों। ऐसा कदापि संभव नहीं है और नीयत मानसिक इच्छा है, जो खोटी भी हो सकती है और खरी भी। खोटी नीयत वाला व्यक्ति कदापि इस संसार में नहीं टिक सकता और यदि टिकेगा, तो बहुत कम समय के लिए, केवल तब तक, जब तक उसकी नीयत खुलकर सामने नहीं आती, क्योंकि नीति की जननी नीयत है और जब जननी में ही दोष है, तो संतान में कोई-न-कोई विकृति अवश्य आ जाएंगी।
हालातों को असफलता के लिए जिम्मेदार ठहराना ठीक नहीं लगता, क्योंकि हालात तो उनके साथ भी वही होते हैं या लगभग वही होते हैं, जो सफलता प्राप्त करते हैं। यदि कोई व्यक्ति अपनी असफलताओं की जिम्मेदारी खुद नहीं ले सकता, तो वह अपनी सफलता की जिम्मेदारी लेने के काबिल नहीं है। जीवन का असली आनंद तो तभी है, जब परिस्थितियाँ विषम हों।

(i) **(घ)** कथन i, ii, व iii सही हैं
व्याख्या: गद्यांश के अनुसार जो लोग जीवन के गतिरोध के लिए हालात को जिम्मेदार ठहराते हैं, जीवन को समझ नहीं पाते तथा आलसी व अकर्मण्य होते हैं, उन लोगों की नीयत और नीति में मेल नहीं रहता है।

(ii)**(ख)** गलत नीयत या नीति के कारण
व्याख्या: खोटी नीयत वाला व्यक्ति इस संसार में गलत नीयत या नीति के कारण नहीं टिक पाता है, क्योंकि जब उस तक उसकी नीयत सही नहीं होगी तब तक समाज में उसका कोई स्थान नहीं होगा।

(iii)**(ख)** हालातों को
व्याख्या: असफलताओं के लिए हालातों को जिम्मेदार ठहराना ठीक नहीं है, हालात तो उसके लिए भी वहीं होते हैं जो सफलता प्राप्त करते हैं।

(iv)**(ख)** नीयत को
व्याख्या: नीयत को लेखक ने नीति की जननी नीयत को कहा है। जब जननी (नीयत) में ही दोष होगा तो संतान (नीति) में कोई-न-कोई विकृति अवश्य आ जाएगी।

(v)**(ग)** कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
व्याख्या: गद्यांश की अंतिम पंक्ति में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि जीवन का असली आनंद तब है जब परिस्थितियाँ विषम हों। विषम परिस्थितियों में व्यक्ति की वास्तविक पहचान होती है।

2. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(घ)** जो कवि लोकप्रिय होता है उसका सम्मान सभी करते हैं।
व्याख्या: जो कवि लोकप्रिय होता है उसका सम्मान सभी करते हैं।

(ii)**(क)** सरल वाक्य

व्याख्या: सरल वाक्य

(iii)**(ख)** तीन

व्याख्या: उपवाक्य तीन प्रकार के होते हैं-

i. संज्ञा-आश्रित उपवाक्य
ii. विशेषण-आश्रित उपवाक्य
iii. क्रियाविशेषण-आश्रित उपवाक्य

(iv)**(ख)** सरल वाक्य

व्याख्या: जिस वाक्य में एक उदेश्य और एक विधेय होता है वहाँ सरल वाक्य होता है।

(v)**(घ)** विकल्प (ii)

व्याख्या: जो बात पानवाले के लिए मज़ेदार थी, वह हालदार साहब के लिए चकित कर देने वाली थी।

3. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ग)** पतोहू द्वारा आग दी गई।

व्याख्या: पतोहू द्वारा आग दी गई।

(ii)**(क)** हमसे इस खुले मैदान में दौड़ा जा सकता है।

व्याख्या: हमसे इस खुले मैदान में दौड़ा जा सकता है।

(iii)**(क)** मेरा मित्र चल नहीं सकता।

व्याख्या: मेरा मित्र चल नहीं सकता।

(iv)**(ग)** कल राजा द्वारा याचक को दान दिया जाएगा

व्याख्या: कल राजा द्वारा याचक को दान दिया जाएगा

(v)**(ख)** कर्ता के अनुसार

व्याख्या: कर्ता के अनुसार

4. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ख)** विशेषण, सार्वनामिक, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'भाषा' विशेष्य।

व्याख्या: विशेषण, सार्वनामिक, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'भाषा' विशेष्य।

(ii)**(क)** सकर्मक क्रिया

व्याख्या: 'फूल' कर्म होने के कारण यहाँ सकर्मक क्रिया है।

(iii)**(ख)** विशेषण

व्याख्या: गीत की विशेषता बताने के कारण यह विशेषण है।

(iv)**(क)** निपात, निषेधात्मक

व्याख्या: निपात, निषेधात्मक

(v)**(घ)** सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तमपुरुष, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, एकवचन, 'हो जाऊँ' क्रिया का कर्ता।

व्याख्या: सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तमपुरुष, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, एकवचन, 'हो जाऊँ' क्रिया का कर्ता।

5. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ख)** मानवीकरण अलंकार
व्याख्या: मानवीकरण अलंकार
(ii)**(ख)** उत्प्रेक्षा
व्याख्या: उत्प्रेक्षा अलंकार में भी उपमेय की उपमान से तुलना की जाती है, परंतु यहाँ उपमेय में उपमान की संभावना होती है। इस अलंकार की पंक्तियों में मनु, मानो, जनु, जानो, आदि शब्द रहते हैं।
प्रस्तुत उदाहरण में भी उपमेय की उपमान से तुलना की गई है और इस पंक्ति में 'मानो' शब्द का प्रयोग हुआ है। इसीलिए इसमें उत्प्रेक्षा अलंकार है।
(iii)**(क)** अतिश्योक्ति अलंकार
व्याख्या: अतिश्योक्ति अलंकार
(iv)**(क)** उत्प्रेक्षा
व्याख्या: उत्प्रेक्षाI जैसे- मुख मानो चाँद है।
(v)**(क)** श्लेष
व्याख्या: श्लेष I जैसे- मंगन को देखि पट देत बार-बार है। (पट- दरवाजा, पट-वस्त्र) 'पट' शब्द जब एक से अधिक अर्थ व्यक्त कर रहा है I

6. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
बालगोबिन भगत की संगीत-साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखा गया, जिस दिन उनका बेटा मरा। इकलौता बेटा था वह! कुछ सुस्त और बोदा-सा था, किंतु इसी कारण बालगोबिन भगत उसे और भी मानते। उनकी समझ में ऐसे आदमियों पर ही ज़्यादा नज़र रखनी चाहिए या प्यार करना चाहिए, क्योंकि ये निगरानी और मुहब्बत के ज़्यादा हकदार होते हैं। बड़ी साध से उसकी शादी कराई थी, पतोहू बड़ी ही सुभग और सुशील मिली थी। घर की पूरी प्रबंधिका बनकर भगत को बहुत कुछ दुनियादारी से निवृत्त कर दिया था उसने। उनका बेटा बीमार है, इसकी ख़बर रखने की लोगों को कहाँ फुरसत! किंतु मौत तो अपनी ओर सबका ध्यान खींचकर ही रहती है। बेटे के क्रियाकर्म में तूल नहीं किया; पतोहू से ही आग दिलाई उसकी। किंतु ज्यों ही श्राद्ध की अवधि पूरी हो गई, पतोहू के भाई को बुलाकर उसके साथ कर दिया, यह आदेश देते हुए कि इसकी दूसरी शादी कर देना। इधर पतोहू रो-रोकर कहती-मैं चली जाऊँगी तो बुढ़ापे में कौन आपके लिए भोजन बनाएगा, बीमार पड़े, तो कौन एक चुल्लू पानी भी देगा? मैं पैर पड़ती हूँ, मुझे अपने चरणों से अलग नहीं कीजिए।

(i) **(ख)** जिस दिन उनके पुत्र की मृत्यु हो गई थी
व्याख्या: जिस दिन उनके पुत्र की मृत्यु हो गई थी
(ii)**(ख)** उनका बेटा सुस्त और कम बुद्धि वाला था
व्याख्या: उनका बेटा सुस्त और कम बुद्धि वाला था
(iii)**(ग)** वह सभी कार्यों में निपुण थी
व्याख्या: वह सभी कार्यों में निपुण थी
(iv)**(ग)** दूसरा विवाह करने का आदेश दिया
व्याख्या: दूसरा विवाह करने का आदेश दिया
(v)**(घ)** उनके साथ रहकर उनकी सेवा करने की
व्याख्या: उनके साथ रहकर उनकी सेवा करने की

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

जैसे नदी में
सिर्फ पानी नहीं बहता
फूल-पत्ते, लकड़ी, नावें,
दीप और मुर्दे तक बहते हैं;
इसी तरह मन में
सिर्फ़ विचार नहीं रहते
सुगंध और प्रकाश
विश्वास और उदासी
सब रहते हैं एक साथ
वहाँ बहाव का आधार पानी है
यहाँ प्राण और वाणी है।
पानी कहीं थम न जाए
धारा सूखने न पाए
वाणी चूकने न पाए
तो सब ठिकाने लग जाते हैं फूल-पत्ते, लकड़ी
नावें, दीप और शरीर
सुगंध और प्रकाश
विश्वास और इच्छाएँ अधीर।
-- अज्ञेय

(i) **(क)** कथन i, ii व iii सही हैं
व्याख्या: कथन i, ii व iii सही हैं

(ii)**(ग)** अच्छे एवं सकारात्मक विचार
व्याख्या: मन के संदर्भ में सुगंध और प्रकाश से कवि का तात्पर्य अच्छे एवं सकारात्मक विचारों से है।

(iii)**(ख)** मन के विचार सही हो जाने का परिणाम सुखकारी होता है।
व्याख्या: मन के संदर्भ में 'ठिकाने लग जाना' का तात्पर्य है कि मन के विचार सही हो जाने का परिणाम सुखकारी होता है। वास्तव में, सकारात्मक मनोवृत्तियाँ ही हमारे कार्य को रचनात्मक बनाती हैं।

(iv)**(घ)** द्वंद्व समास
व्याख्या: जिस समस्त पद के दोनों पद प्रधान हों और दोनों पदों के बीच प्रायः योजक चिह्न (-) का प्रयोग हो वहाँ द्वंद्व समास होता है।

(v)**(घ)** कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
व्याख्या: कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

अथवा

अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

तुम्हारी निश्चल आँखें
तारों-सी चमकती हैं मेरे अकेलेपन की रात के आकाश में
प्रेम पिता का दिखाई नहीं देता है
ज़रूर दिखाई देती होंगी नसीहतें

नुकीले पत्थरों-सी
दुनिया भर के पिताओं की लंबी कतार में
पता नहीं कौन-सी कितना करोड़वाँ नंबर है मेरा
पर बच्चों के फूलों वाले बगीचे की दुनिया में
तुम अव्वल हो पहली क़तार में मेरे लिए
मुझे माफ़ करना में अपनी मूर्खता और प्रेम में समझता था
मेरी छाया के तले ही सुरक्षित रंग-बिरंगी दुनिया होगी तुम्हारी
अब जब तुम सचमुच की दुनिया में निकल गई हो
मैं खुश हूँ सोचकर
कि मेरी भाषा के अहाते से परे है तुम्हारी परछाई।
-- चंद्रकांत देवताले

(i) **(ख)** कथन i व ii सही हैं
व्याख्या: कथन i व ii सही हैं
(ii)**(क)** नुकीले पत्थरों जैसी
व्याख्या: नुकीले पत्थरों जैसी
(iii)**(ग)** प्रेम और मोह के कारण
व्याख्या: प्रेम और मोह के कारण
(iv)**(ख)** विकल्प (ii)
व्याख्या: पिता की छाया से बाहर भी लड़की आत्मनिर्भर और खुश है।
(v)**(घ)** कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
व्याख्या: कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

8. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

(i) **(ख)** रसोई से
व्याख्या: लेखिका के पिता उसे रसोई-घर से दूर रखना चाहते थे क्योंकि उनके अनुसार रसोई में काम करने से मनुष्य की सारी बौद्धिक प्रतिभा नष्ट हो जाती है।
(ii)**(ग)** वह संगीत, साहित्य और संस्कृति की नगरी है।
व्याख्या: वह संगीत, साहित्य और संस्कृति की नगरी है।

9. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

(i) **(घ)** लयात्मकता
व्याख्या: कम शब्दों में अधिक कहना लयात्मकता कहलाता है। कवि ने कुछ ही शब्दों में फागुन मास के सौंदर्य को वर्णित किया है।
(ii)**(ख)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या: भोर सुखद, सुहावनी व प्रेम और लाली से युक्त है।

10. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
मन की मन ही माँझ रही।
कहिए जाइ कौन पै ऊधौ, नाहीं परत कही।

अवधि अधार आस आवन की तन मन बिथा सही।
अब इन जोग सँदेसनि सुनि-सुनि, बिरहिनि बिरह दही।
चाहति हुतीं गुहारि जितहिं तैं, उत तैं धार बही।
'सूरदास' अब धीर धरहिं क्यौं, मरजादा न लही।

(i) **(घ)** गोपियों की
व्याख्या: गोपियों की
(ii)**(क)** कृष्ण के आने की आशा
व्याख्या: कृष्ण के आने की आशा
(iii)**(ख)** कृष्ण के योग का संदेश
व्याख्या: कृष्ण के योग का संदेश
(iv)**(ख)** श्रीकृष्ण ने
व्याख्या: श्रीकृष्ण ने
(v)**(घ)** गोपियों के
व्याख्या: गोपियों के

खंड - ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-

(i) परशुराम जी की बातें सुनकर लक्ष्मण हँसकर मीठी वाणी में प्यार से कहते हैं कि मैं जानता हूँ कि आप एक महान योद्धा हैं। लेकिन मुझे बार बार आप ऐसे कुल्हाड़ी दिखा रहे हैं जैसे कि आप किसी पहाड़ को फूँक मारकर उड़ा देना चाहते हैं। ऐसा कहकर लक्ष्मण एक ओर तो परशुराम का गुस्सा बढ़ा रहे हैं और शायद दूसरी ओर उनकी आँखों पर से परदा हटाना चाह रहे हैं।
(ii)गायक सरगम को लाँधकर अनहद में चला जाता है, वह असीम आनन्द- ब्रम्हानंद में डूब जाता है। तब संगतकार मुख्या गायक को सहारा देकर स्थायी रूप देता है, तब मुख्य गायक वापस लौट आता है।
(iii)यहाँ कवि कहना चाह रहा है कि जिस प्रेम एवं जिन सुखद अनुभवों के वह स्वप्न देख रहा था। अपनी जिंदगी में वह उसका कभी अनुभव ही नहीं कर पाया। वह सुख उसे मात्र स्वप्न में प्राप्त हुआ और झांकी दिखाकर गायब हो गया। असल जिंदगी में उसे मात्र दुखद अनुभव ही मिले। जिस प्रेम और सुखद अनुभवों की उसने कल्पना की थी वह उसे कभी प्राप्त ही नहीं हुआ।
(iv)बच्चे की मुसकान को कवि ने दंतुरित कहा है क्योंकि उसकी मुसकान मनमोहक है जिसमें उसके छोटे दाँत भी दिख रहे है। कवि उसकी मुसकान देखने पर वात्सलय के भाव से भर उठता है। उसे लगता है कि जैसे कमल का फूल तालाब छोड़कर उसकी झोपड़ी में खिल गया है। उसकी मनमोहक मुसकान से उसे लगता है. "छू कर, स्पर्श पाकर तुम्हारा ही प्राण जल बन गया होगा पिघलकर कठिन पाषाण। अर्थात् उसकी मुसकान को देखकर कठोर ह्रदय भी तरल हो जाए। मृतक में भी जान आ जाए और बबूल के पेड़ों से शैफालिका के फूल गिरने लगें। कवि उसकी मुसकान से प्रभावित है।

12. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-

(i) लेखक नवाब साहब के जबड़ों के स्फुरण को देखकर उनकी वास्तविक स्थिति को समझ चुके थे | वे उनकी झूठी शान की असलियत को भांप गए थे | खीरा खाने के लिए वे आरंभ में मना कर चुके थे | अतः मुँह में पानी आने पर भी अपने आत्मसम्मान की खातिर उन्होंने खीरा खाने के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया |

(ii)लेखक मानव-संस्कृति के माता-पिता भौतिक प्रेरणा और ज्ञानेप्सा को कहना चाहता है, क्योंकि ये दोनों ही मनुष्य को मानवता के सुख-कल्याण के लिए कुछ नया करने को प्रेरित करते हैं। एक माँ रातभर अपने बीमार बच्चे को गोद में लिए बैठी रहती है। उसके पीछे यही भौतिक प्रेरणा और ज्ञानेप्सा होती है।

(iii)भटियारखाना - वह स्थान होता है जहाँ भट्टी जलती रहती है | लेखिका के पिता का मानना था कि वहाँ रहना अपनी योग्यता और क्षमता को नष्ट करना है | उनके अनुसार लड़की को रसोई तक सीमित कर देना उसकी प्रतिभा को कुंठित करना है | इससे लड़की को अपनी प्रतिभा को निखारने का समय नहीं मिलता इसलिए वे लेखिका को रसोई तक सीमित नहीं रखना चाहते थे |

(iv)नेता जी का चश्मा' पाठ में देशभक्ति और देशप्रेम का संदेश दिया गया है। पाठ में बताया गया है कि देशभक्ति की भावना किसी भी व्यक्ति में, किसी भी रूप में हो सकती है। उसको व्यक्त करने का तरीका सबका अलग-अलग हो सकता है। अपनी संस्कृति पर विश्वास होना चाहिए, अपने देश के महापुरुषों पर श्रद्धा व प्रेम-भाव होना चाहिए। इसका संबंध हमारी भावना से होता है। इसको प्रकट करने के लिए किसी विशेष साधन की आवश्यकता नहीं होती।

13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए-

(i) 'मैं क्यों लिखता हूँ?' के प्रश्न के उत्तर में 'अज्ञेय' ने अनेक तर्क दिए हैं। उनमें से प्रमुख हैं- वह इसलिए लिखते हैं क्योंकि वे स्वयं यह जानना चाहते हैं कि वे क्यों लिखते हैं? लिखकर ही वह अपने मन के अंदर की बेचैनी या भावों को प्रकट करते हैं। वे लिखकर अपने अंदर की छटपटाहट से आज़ादी पाना चाहते हैं। वे तटस्थ रहकर अपने अंदर के विचारों को जानने के लिए लिखते हैं।

(ii)ऊँचाई से गिरते फेन उगलते सेवन सिस्टर्स वाटरफॉल को देखकर लेखिका मंत्रमुग्ध हो गईं थी। नीचे बिखरे भारी-भरकम पत्थरों पर बैठकर लेखिका मानो अपनी आत्मा का संगीत सुन रही थी। झरना उसे जीवन के अनंत होने का बोध करा रहा था। उसे ऐसा प्रतीत हो रहा था कि उसके मन की सारी तामसिक वृत्तियाँ उस निर्मल जलधारा में बहती जा रही हैं। उसका वहाँ से उठने का मन नहीं हो रहा था।

(iii)माता का अँचल' पाठ में रची गयी बच्चों की दुनिया की पृष्ठभूमि ग्रामीण जीवन पर आधारित है। बच्चे सामूहिक रूप से खेलते थे। घर की अनुपयोगी वस्तुओं से बच्चे स्वयं ही खेल सामग्री का निर्माण करते थे। बच्चों द्वारा चिड़िया पकड़ने का प्रयास करना, पेड़ों पर चढ़ना, चूहे के बिल में पानी उलीचना, वर्षा के पानी में भीगना, गुड्डे-गुड़ियों का ब्याह रचाना आदि खेल आधुनिक परिवेश में दिखाई नहीं देते हैं। आज शहरी परिवेश में रहने वाले बच्चे क्रिकेट, वॉलीबॉल, वीडियो गेम, लूडो, प्लास्टिक से बने और इलैक्ट्रॉनिक खिलौनों से खेलते हैं। खेल-सामग्री और खेलने के तरीकों में आए इस बदलाव ने बच्चों को एकाकी बना दिया है। उनमें परस्पर सहयोग, भावना, सहभागिता और सामाजिकता जैसे नैतिक जीवन मूल्य लुप्त होते जा रहे हैं।

14. प्रधानाचार्य महोदय,
ग्रीन वुड पब्लिक स्कूल,
जयपुर, राजस्थान।
01 मार्च, 2019
विषय- सेक्शन बदलवाने के संबंध में
मान्यवर,
सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय की नौवीं 'अ' का छात्र हूँ। इस विद्यालय का अच्छा शैक्षणिक वातावरण तथा उत्तम परीक्षाफल देखकर मैंने यहाँ प्रवेश लिया था। यहाँ अन्य विषयों के साथ मैंने अंग्रेजी पाठ्यक्रम 'अ' का चुनाव किया, किंतु अंग्रेजी विषय में कमज़ोर होने के कारण पाठ्यक्रम 'अ' मुझे समझ में नहीं आ रहा है। मैं कक्षा में अध्यापक के प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाता हूँ। मासिक टेस्ट में मेरे अंक बहुत खराब थे। मैंने कोशिश तो की पर स्थिति वही 'ढाक के तीन पात' वाली रह गई। इस कक्षा के सेक्शन 'ब' में अंग्रेजी का पाठ्यक्रम 'ब' पढ़ाया जाता है। मैंने अपने मित्र की पुस्तकें देखकर जाना कि पाठ्यक्रम 'ब' आसान है, जिसे मैं आसानी से पढ़ सकता हूँ। यह पाठ्यक्रम पढ़ने के लिए मैं अपना सेक्शन बदलवाना चाहती हूँ।
आपसे प्रार्थना है कि मेरी कठिनाइयाँ देखते हुए मुझे नौवी 'अ' से नौवीं 'ब' में स्थानांतरित करने की कृपा करें, जिससे मैं अपनी पढ़ाई सुगमता से जारी रख सकें। आपकी इस कृपा के लिए मैं आपका आभारी रहूँगा।
सधन्यवाद।
आपका आज्ञाकारी शिष्य,
सचिन बंसल

अथवा

275/पी-4,
गोविन्द अपार्टमेंट,
विवेक विहार, दिल्ली।
27 फरवरी, 2019
प्रिय मित्र गौतम,
सादर नमस्कार।
मैं सकुशल रहकर आशा करता हूँ कि तुम भी अपने परिवार के साथ सकुशल होगे।
मित्र, आज सवेरे हरीश के फोन से पता चला कि तुम्हारा चयन एम.बी.बी.एस. कोर्स के लिए हो गया है। यह सुनकर मैं खुशी से उछल पड़ा। तुम्हारी रैंक काफी अच्छी है, इससे तुम्हें अपने मनपसंद मेडीकल कॉलेज में प्रवेश मिल जाएगा, यह बात खुशी को और बढ़ा देने वाली है। इस सफलता के लिए सर्वप्रथम मेरी बधाई स्वीकार करो।
मित्र, सफलता उन्हीं के कदम चूमती है जो परिश्रम करते हैं। यह तुम्हारे दिन-रात के परिश्रम का परिणाम है। तुमने भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा जीव विज्ञान विषयों की गहन तैयारी की, जिसका परिणाम हम सभी के सामने है। तुम्हारी इस सफलता ने सिद्ध कर दिया कि मनोवांछित सफलता पाने का एकमात्र उपाय कठिन परिश्रम है। तुम्हारी यह सफलता हमें मित्रों के लिए प्रेरणास्रोत का काम करेगी। इस सफलता के लिए मैं तुम्हें एक बार पुनः बधाई देना चाहता हूँ।
अपने माता-पिता को मेरा प्रणाम और प्रियंका को प्यार कहना। पत्रोत्तर शीघ्र देना।
तुम्हारा अभिन्न मित्र,
राहुल

15. सेवा में,
विभागाध्यक्ष
भूगोल विभाग

शांति स्नातकोत्तर महाविद्यालय
शिमला, हिमाचल प्रदेश
मान्यवर,
विषय - सहायक अध्यापक पद के लिए स्ववृत्त
मुझे यह ज्ञात हुआ है कि आपके विभाग में 'सहायक अध्यापक' पद हेतु कुछ रिक्तियाँ आबंटित हुई हैं। इस सन्दर्भ में विचारार्थ मेरा स्ववृत्त प्रस्तुत है।

स्ववृत्त

विशेष रूचि:
ग्रेजुएशन के समय से ही हिन्दी साहित्य में मेरी रुचि रही है। कहानी विधा मुझे अत्यन्त प्रिय है। नई कहानी आंदोलन का मैंने गहन अध्ययन किया है। मुक्तिबोध के रचना कर्म को युगीन परिस्थितियों में समझने का सचेत प्रयास किया है।

शैक्षणिक योग्यताएँ-

ज्योति इण्टर कॉलेज तिलकनगर	हाईस्कूल	द्वितीय श्रेणी (53%)	2002
ज्योति इण्टर कॉलेज तिलकनगर इण्टरमीडिएट	इण्टरमीडिएट	प्रथम श्रेणी (64%)	2004
सत्यवती विश्वविद्यालय	बी.ए. : हिन्दी, भूगोल व प्राचीन इतिहास में	प्रथम श्रेणी (61%)	2007
अमरावती विश्वविद्यालय	एम. ए. : हिन्दी में	प्रथम श्रेणी	2011
यू.जी.सी	सी. एस. आई. आर.	प्रथम श्रेणी	2012
उज्जवल एजुकेशनल इंस्टीट्यूट	पीएच.डी	प्रथम श्रेणी	2020

उपलब्धियाँ तथा पुरस्कार:
- राष्ट्रीय सेवा योजना में दो वर्ष (240 घंटे) सत्र 2004-05 तथा 2005-06 में सक्रिय सहभागिता की।
- बालकृष्ण भट्ट के नाटक 'शिक्षा दान' व सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के नाटक 'बकरी' में सहभागिता की।

रूचि:
- हिन्दी साहित्य का अध्ययन और कविता लेखन।
- कहानी, उपन्यास में विशेष रुचि।

गोपाल गर्ग
52, विकासनगर
फतेहनगर, हरिनगर
देहरादून, 20043
मो. 956002XXXX
ईमेल: gopgarg283@gmail.com

अथवा

From : hsk@gmail.com
To : kmu@gmail.com
CC ...
BCC ...
विषय - हिन्दी विषय में सहायक अध्यापक के रिक्त पद की जानकारी
कला संकाय प्रमुख

सी.ई.एम, करमपुरा
Delhi -110015

माननीय महोदय,
सादर सूचित करना चाहती हूँ कि में रीना दत्त हिन्दी विभाग की शोध छात्रा हूँ। मेरी पी.एच.डी. समाप्त होने की ओर अग्रसर है। महोदय हिन्दी विभाग में सहायक अध्यापक के कुल कितने पद रिक्त हैं? कृपया जानकारी प्रदान करें।
आपसे सहयोग की अपेक्षा में
धन्यवाद
रीना दत्त

16.

ठंडा मतलब------------? कोका कोला

कोका कोला पीजिए
जिन्दगी का आनन्द लीजिए।
"बच्चों, जवान व बूढ़ों को भाये।
गर्मी भगायें।"

अथवा

संदेश

5 अक्टूबर 2020
प्रातः 6 बजे
प्रिय छात्रों
कोविड-19 महामारी के कारण, शिक्षा निदेशालय के आदेश क्रमांक 125 दिनांक 05/10/2020 के अनुसार विद्यालय दिनांक 31/10/2020 तक बंद रहेंगे। आप सभी अपने घरों में स्वस्थ और सुरक्षित रहें। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी सभी सावधानियों व नियमों का पालन करें। आप सभी के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूँ।
प्रधानाचार्य
रामेश्वरम विद्यालय

17. लड़कियों की शिक्षा का हमारे देश में अत्यन्त महत्व है। आज भी हमारे देश में लड़के और लड़कियों में भेदभाव किया जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में तो लड़कियों की स्थिति शोचनीय होती है। आज समय तेजी से बदल रहा है। पुरुषों के बराबर स्त्रियों की भी शिक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। सरकार द्वारा ऐसी अनेक योजनाएँ चलायी जा रही हैं, जिससे बालिकाओं के लिए

निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था की जा सके। लोगों में जागरूकता फैलाने का काम स्वयंसेवी संस्थाएं कर रही हैं।

शिक्षा के द्वारा ही मनुष्य विनम्रता, उदारता और सहनशीलता जैसे महान गुणों को सीखता है। आज लड़कियों को शिक्षा की विशेष आवश्यकता है।

बालिका, जिसके जन्म पर घर में कोई प्रसन्न नहीं होता, जो जीवन भर सामाजिक कुरीतियों, भेदभाव, प्रताड़ना, उत्पीड़न, कुपोषण और शोषण का शिकार होती रहती हैं, ऐसी बालिका के लिए शिक्षा ही एक ऐसा आज बन सकती है, जो न केवल उसे उसके नैतिक, सामाजिक और शैक्षणिक अधिकार दिलाएगी, बल्कि उसे जीवन में आने वाली कठिनाइयों के सामने एक सशक्त महिला के रूप में खड़ा करेगी, अतः बालिका के साथ शिक्षा के संबंध को नकारा नहीं जा सकता।

बालिका के लिए शिक्षा अत्यन्त आवश्यक है, स्त्रियों का परिवार समाज व राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान है, बालिकाओं पर भी किसी भी देश का भविष्य निर्भर करता है क्योंकि बालिकाएं आगे चलकर माँ बनती हैं और माँ किसी भी परिवार की केन्द्रीय इकाई होती है, यदि माँ को शिक्षा प्राप्त नहीं है और वह बचपन में कुपोषण व अज्ञानता की शिकार है, तो वह एक स्वस्थ, शिक्षित परिवार व उन्नत समाज के निर्माण में विफल रहेगी, अतः बालिका के लिए शिक्षा नितांत आवश्यक है। आज बालिका शिक्षा को राष्ट्रीय आवश्यकता समझकर जोर दिया जा रहा है। परिणामतः बालिकाओं की स्थिति में सुधार हुआ है। आज बालिकाएँ, बालकों से किसी क्षेत्र में कम नहीं हैं, वे आज के प्रतियोगी युग में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। इसलिए इस कार्य के लिए माता-पिता का सहयोगी होना अत्यन्त आवश्यक है। उन्हें चाहिए कि लड़के व लड़कियों में भेदभाव न करें और लड़कियों को भी शिक्षित होने के पूर्ण अवसर प्रदान करें। जिससे हमारे देश में अशिक्षा का सूरज डूबेगा व उन्नत, विकसित, शिक्षित व सम्पन्न देश के लिए नए सूरज का उदय होगा।

अथवा

वृक्ष प्रकृति की अनमोल संपदा है। मनुष्य ने प्रकृति की गोद में ही अपने विकास की यात्रा का रथ चलाया था। मनुष्य एवं प्रकृति का अटूट संबंध है। ईश्वरीय सृष्टि की अलौकिक रचना प्रकृति की गोद में ही मनुष्य ने आँखें खोली हैं एवं प्रकृति ने ही मनुष्य का पालन-पोषण किया है। मनुष्य का संपूर्ण जीवन पेड़-पौधों पर आश्रित रहा है। वृक्षों की लकड़ी विभिन्न रूपों में मनुष्य के काम आती है। वृक्षों से हमें फल-फूल, जड़ी-बूटियाँ, औषधियाँ आदि प्राप्त होती हैं। शुद्ध वायु और तपती दोपहर में छाया वृक्षों से ही प्राप्त होती है। वृक्ष वर्षा में सहायक होते हैं एवं भूमि को उर्वरक बनाते हैं। प्रदूषण को समाप्त कर हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। वृक्ष बाढ़-सूखा एवं मिट्टी के कटाव आदि प्राकृतिक आपदाओं से हमारी रक्षा करते हैं। हमारी संस्कृति में वृक्षों को देवता मानकर उनकी पूजा की जाती है। होली, दीपावली, बसंत पंचमी, पोंगल, बैसाखी आदि उत्सव मनाकर हम प्रकृति का स्वागत करते हैं। यदि मनुष्य जाति को बचाना है तो वृक्षों को बचाना होगा अर्थात हमें वृक्षारोपण करना होगा। इसीलिए 'एक बच्चा, एक पेड़' का नारा दिया गया है। भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय वन नीति के अंतर्गत 50 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में वृक्षारोपण का लक्ष्य रखा गया है। भारत में वृक्षों के कटाव से 3 लाख हैक्टेयर वन्य क्षेत्र की कमी आई है। वनों की 50 मीटर की एक कतार वाहनों के शोर को 30.50 डेसीबल तक कम करती है। इसी तरह चौड़ी पत्ती वाले पेड़ वातावरण में उड़ रही धूल को रोकते एवं वायु को शुद्ध करते हैं। तेजी से बढ़ती जनसंख्या एवं तेजी से बढ़ती औद्योगिक इकाइयाँ, मशीनीकरण एवं शहरीकरण के कारण जो वनों का तीव्र गति से कटाव हुआ है उससे समस्त विश्व चिंतित है। वृक्षारोपण का उद्देश्य केवल वृक्षों को लगाना ही नहीं, वृक्षारोपण करने के बाद उनकी उचित देखभाल भी आवश्यक है।

अथवा

आजकल जंक फूड अपने स्वाद, लोगों की अत्यधिक व्यस्त दिनचर्या, आसानी से बन जाने तथा सस्ता होने के कारण बहुत लोकप्रिय हो गया है। इस बाहर मिलने वाले अत्यधिक कैलोरी युक्त जंक फूड जैसे बर्गर, पिज्ज़ा, मोमोज, टिक्की, पेटीज, चाऊमीन आदि को बच्चे ही नहीं बड़े भी बहुत शौक से खाते हैं। पोषक तत्त्वों की कमी के कारण यह स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक है, क्योंकि यह अत्यधिक कार्बोहाइड्रेट, उच्च स्तरीय वसा, लवणता और कॉलेस्ट्रोल युक्त भोजन होता है। वैज्ञानिक शोधों से ज्ञात हुआ है कि जंक फूड का स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसके नियमित सेवन से मोटापा, उच्च रक्तचाप, हड्डियों संबंधी रोग, मधुमेह, पाचन तंत्र संबंधी समस्याएँ, मानसिक विकार, यकृत विकार आदि दुष्परिणाम हो सकते हैं। माता-पिता को बच्चों में पौष्टिक आहार ग्रहण करने की आदतें विकसित करनी चाहिए तथा जंक फूड खाने से रोकना चाहिए। हमें स्वस्थ और खुशहाल जीवन जीने के लिए जंक फूड से बचना चाहिए।